

प्रेषक,

अमरेन्द्र सिन्हा,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

मुख्य पशु चिकित्साधिकारी,
देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 31 मार्च, 2008

विषय:- वर्ड पलू रोग हेतु तैयारी नियंत्रण एवं रोकथाम योजनान्तर्गत राज्य आकस्मिकता निधि से धनराशि अवमुक्त किये जाने हेतु वित्तीय स्वीकृति।

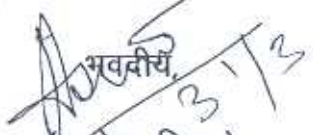
महोदय,

उपरोक्त विषयक भारत सरकार के पत्र संख्या-50-196(बी)/2007, एल.डी.टी. (ए.क्यू.) दिनांक 26 फरवरी, 2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय आयोजनागत पक्ष के अन्तर्गत चालू वित्तीय वर्ष 2007-08 में वर्ड पलू रोग हेतु तैयारी नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु शतप्रतिशत केन्द्रपोषित योजनान्तर्गत राज्य आकस्मिकता निधि से रुपये 22.00 लाख की अग्रिम आहरण की वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए व्यय हेतु आपके निर्वर्तन पर प्रदिष्ट किये जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

- (2) व्यय भारत सरकार के निर्देशानुसार केवल उन्हीं मदों में किया जाय, जिनके लिए यह स्वीकृति निर्गत की जा रही है।
- (3) व्यय धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र भारत सरकार को भेजा जाए।
- (4) किसी भी शासकीय व्यय हेतु भण्डार क्रय प्रक्रिया (स्टोर पर्चेज रूल्स) वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1, वित्तीय अधिकारों का प्रतिनिष्पादन नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 आय व्यय सम्बन्धी नियम शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन किया जायेगा।
- (5) कार्य पर उतना ही व्यय किया जाय जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
- (6) व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों यथा अन्य स्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय तथा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हो तो उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- (7) व्यय की सूचना प्रपत्र बी0एम0-13 पर प्रत्येक माह की 20 तारीख तक वित्त विभाग को अवश्य उपलब्ध कराई जाय तथा धनराशि का आहरण/व्यय एकमुश्त न करके आवश्यकतानुसार ही किया जायेगा।
- 8) धनराशि अग्रिम आहरण कर उप निदेशक, पशुपालन विभाग, पशुलोक ऋषिकेश को उपलब्ध कराई जाए।

3- इस संबंध में होने वाला व्यय प्रथमतः लेखाशीर्षक-8000-आकस्मिकता निधि-राज्य आकस्मिकता निधि-लेखा-201-समेकित निधि के विनियोजन तथा अन्ततः वित्तीय वर्ष 2008-09 में अनुदान संख्या-28 के लेखाशीर्षक-2403-पशुपालन आयोजनागत-00-101-पशुचिकित्सा संबंधी सेवाएँ तथा स्वास्थ्य-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएँ-0107-बर्ड फ्लू रोग हेतु तैयारी नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु शतप्रतिशत केन्द्रपोषित-42-अन्य व्यय के अन्तर्गत समायोजित किया जाएगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या- (P)/XXVII/ 2008 दिनांक 31 मार्च, 2008 के क्रम में उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।


(अमरेंद्र सिन्हा)
सचिव

रा०आ०नि० संख्या-86 / वित्त अनुभाग-4 / 2007 दिनांक 31.03.2008

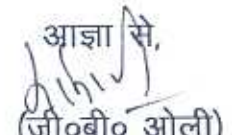
प्रतिलिपि: महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी-प्रथम), उत्तराखण्ड देहरादून को एक अतिरिक्त प्रति सहित सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

आज्ञा से,
22/3/2008
(एल०एम० पन्त)
अपर सचिव

संख्या- / 63 (1) / XV-1 / 2008-तददिनांक

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
2. निजी सचिव, प्रमुख सचिव एवं आयुक्त को प्रमुख सचिव एवं आयुक्त महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. महालेखाकार, उत्तराखण्ड, सहारनपुर रोड, देहरादून।
4. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी/कुमौयू मण्डल, नैनीताल।
5. अपर निदेशक, पशुपालन विभाग, गोपेश्वर चमोली को उनके पत्र दि० 13.03.08 के क्रम में इस आशय से कि उक्त राज्य आकस्मिकता निधि से आहरित धनराशि का अगले वित्तीय वर्ष 2008-09 में अनुपूरक माँग के माध्यम से उक्त लेखाशीर्षक के अन्तर्गत समायोजन करना सुनिश्चित करें।
6. जिलाधिकारी, देहरादून।
7. उप निदेशक, पशुपालन विभाग, पशुलोक, उत्तराखण्ड।
8. वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, देहरादून।
9. बजट राजकोषीय, नियोजन व संसाधन निदेशालय, सचिवालय, देहरादून।
10. निदेशक, एन०आई०सी०, देहरादून।
11. वित्त, अनुभाग-4/नियोजन अनुभाग।
12. मीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय।
13. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(जी०बी० ओली)
संयुक्त सचिव